CURRENT AFFAIRS

Result Mitra™

NEWS FOR UPSC

UPSC, IAS/PCS

State Exam

All Exam

10 Feb. 2025

ABHAY Sir

❖ Topic 1:- गुइलेन बैरे सिंड्रोम (GBS) का प्रकोप

❖ Topic 2:– प्रयागराज महाकुंभ 2025 – इंटरनेशनल बर्ड फेस्टिवल (16-18 फरवरी)

❖ Topic 3:– गार्ड ऑफ चेंज समारोह - राष्ट्रपति भवन

❖ Topic 4:- पुस्तक 'I AM?' के विमोचन का मुख्य सार

❖ Topic 5:- वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल रिपोर्ट 2024: भारत में स्वर्ण निवेश में 60% वृद्धि

❖ Topic 6:- ई-नाम (राष्ट्रीय कृषि बाजार) में 10 नए उत्पाद शामिल

Result Mitra
गुइलेन बैरे सिंड्रोम (GBS) का प्रकोप

❖ UPSC परीक्षा में स्वास्थ्य, विज्ञान और प्रौद्योगिकी (GS Paper 3) और समाज (GS Paper 2) में इससे संबंधित प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

1. प्रमुख कारण: दूषित पानी को पुणे और भारत के अन्य हिस्सों में GBS प्रकोप का बड़ा कारण माना जा रहा है।

2. महाकुंभ कनेक्शन: विशेषज्ञों के अनुसार, प्रयागराज महाकुंभ जैसी जगहें संक्रमण फैलने का स्रोत हो सकती हैं, क्योंकि वहां बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा होते हैं।

3. संक्रमण के तरीके:
❖ फिकल-ओरल (मल-मुख)
❖ ड्रॉपलेट ट्रांसमिशन (बूंदों के माध्यम से)
❖ दूषित भोजन और पानी

कुंभ मेले में लाखों लोग संगम में डुबकी लगा रहे हैं। फाइल फोटो

स्वास्थ्य

गुइलेन बैरे सिंड्रोम का प्रकोप: दूषित पानी और कुंभ मेले का कनेक्शन!

दिल्ली के विभिन्न अस्पतालों में लगभग 100 से अधिक मामले होने की रिपोर्ट

Source:– DOWN TO EARTH

4. प्रमुख रोगाणु:

- ❖ कैम्पिलोबैक्टर जेजुनी और नोरोवायरस को GBS का ट्रिगर माना जा रहा है।
- ❖ ये दोनों रोगाणु दूषित पानी में पाए जाते हैं और गैस्ट्रोएंटेराइटिस के साथ GBS भी ट्रिगर कर सकते हैं।

5. निवारक उपाय:

- ❖ स्वच्छ पानी और भोजन का सेवन
- ❖ सार्वजनिक स्थानों पर उचित स्वच्छता
- ❖ संक्रमण की रोकथाम के लिए जागरूकता अभियान

❖ GBS क्या है?

- ❖ यह एक तंत्रिका तंत्र संबंधी बीमारी है जिसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली तंत्रिकाओं पर हमला करती है।
- ❖ **लक्षण:** कमजोरी, झुनझुनी, और गंभीर मामलों में लकवा (Paralysis)।

❖ गुइलेन-बैरे सिंड्रोम (GBS) – UPSC के लिए महत्वपूर्ण जानकारी

1. GBS क्या है?

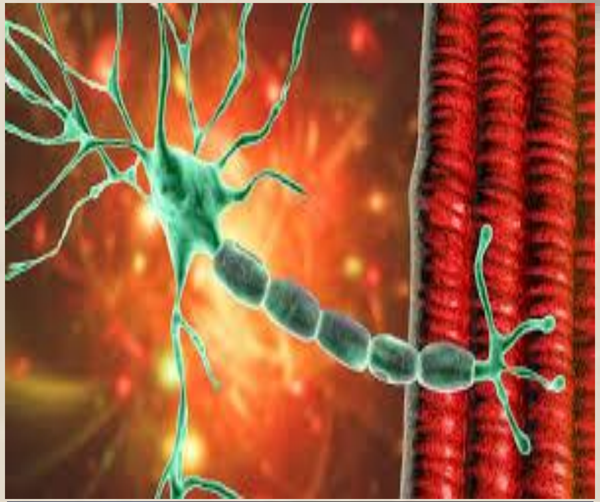

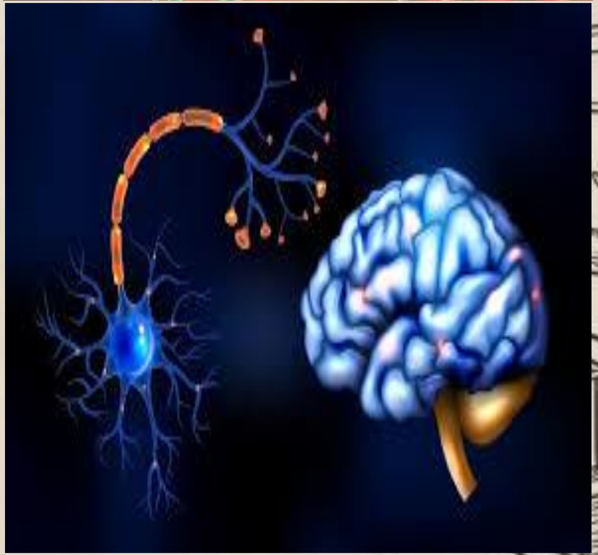

- ❖ गुइलेन-बैरे सिंड्रोम (Guillain-Barré Syndrome - GBS) एक दुर्लभ ऑटोइम्यून न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर है।
- ❖ इसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली तंत्रिकाओं (nerves) पर हमला करती है, जिससे मांसपेशियों की कमजोरी और लकवा (Paralysis) हो सकता है।

2. GBS के कारण

- ❖ GBS का सटीक कारण अज्ञात है, लेकिन यह आमतौर पर संक्रमण या प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया के बाद विकसित होता है।

❖ **संभावित ट्रिगर:**

❖ वायरल या बैक्टीरियल संक्रमण (जैसे कैम्पिलोबैक्टर जेजुनी, नोरोवायरस, ई. कोली)।

❖ फ्लू या अन्य टीकाकरण के बाद (लेकिन यह दुर्लभ होता है)।

❖ सर्जरी या अन्य प्रतिरक्षा संबंधी विकार।

3. GBS के लक्षण

❖ शुरुआती लक्षण: पैरों और हाथों में झुनझुनी, कमजोरी।

❖ धीरे-धीरे पूरे शरीर में कमजोरी फैल सकती है।

❖ **गंभीर मामलों में:**

❖ सांस लेने में दिक्कत।

❖ हृदय गति और रक्तचाप में बदलाव।

❖ पूर्ण या आंशिक लकवा।

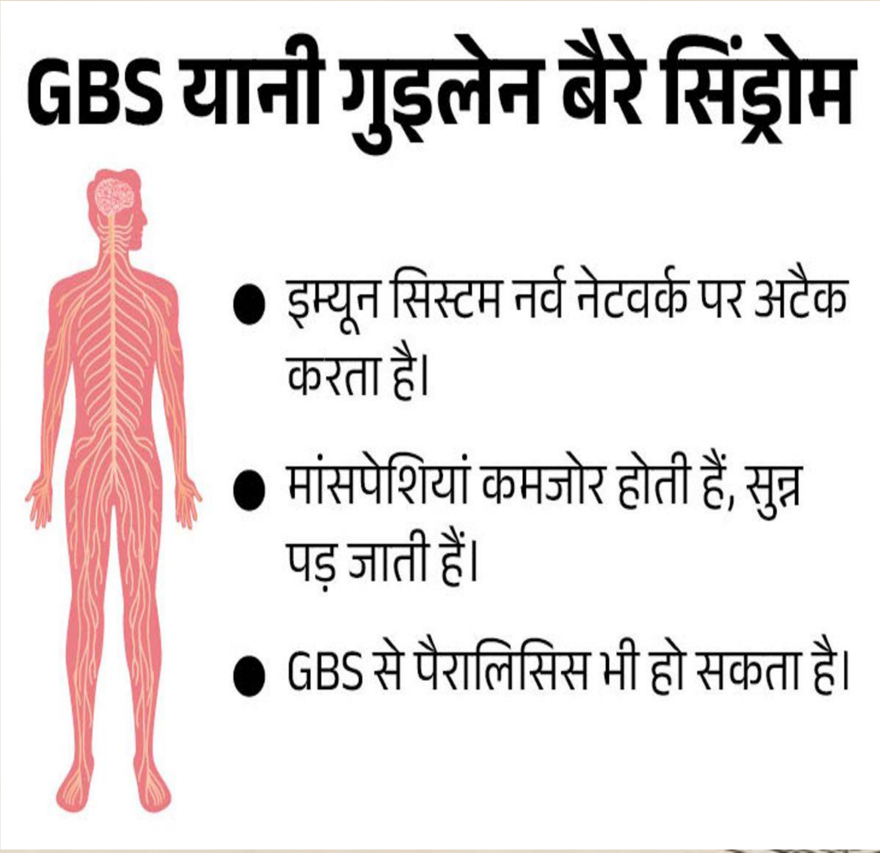

Result Mitra

4. GBS का निदान और उपचार

Result Mitra

❖ निदान:

❖ लम्बर पंक्चर (Lumbar Puncture) – रीढ़ की हड्डी के द्रव (CSF) की जांच।
❖ नर्व कंडक्शन स्टडी (Nerve Conduction Study) – तंत्रिकाओं के कार्य का परीक्षण।

❖ उपचार:

❖ इम्यूनोग्लोबुलिन थेरेपी (IVIG) – प्रतिरक्षा प्रणाली को संतुलित करने के लिए।
❖ प्लाज्मा एक्सचेंज (Plasmapheresis) – रक्त से हानिकारक एंटीबॉडी हटाने के लिए।
❖ फिजियोथेरेपी और पुनर्वास।

5. भारत में GBS की स्थिति

- ❖ GBS अधिसूचित बीमारी नहीं है, जिससे सटीक आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं।
- ❖ 2024-25 में पुणे और अन्य क्षेत्रों में प्रकोप देखा गया, जिसका संबंध प्रदूषित पानी और नोरोवायरस संक्रमण से माना जा रहा है।

6. GBS और स्वास्थ्य नीति

❖ GBS के प्रबंधन के लिए चुनौतियां:

- ❖ भारत में GBS की कम जागरूकता और सीमित अनुसंधान।
- ❖ प्रारंभिक पहचान और उपचार की आवश्यकता।
- ❖ साफ पानी और स्वच्छता के उपाय महत्वपूर्ण।

❖ सरकार की संभावित भूमिका:

- ❖ GBS को अधिसूचित रोग घोषित करना।
- ❖ रोग नियंत्रण और स्वास्थ्य निगरानी तंत्र को मजबूत करना।

Result Mitra

❖ UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु

- ❖ GBS एक ऑटोइम्यून डिसऑर्डर है जिसमें तंत्रिकाएं प्रभावित होती हैं।
- ❖ यह संक्रमण या टीकाकरण के बाद विकसित हो सकता है।
- ❖ प्रमुख कारणों में कैम्पिलोबैक्टर जेजुनी, नोरोवायरस, ई. कोली शामिल हैं।
- ❖ भारत में GBS अधिसूचित बीमारी नहीं है, जिससे डेटा सीमित है।
- ❖ स्वास्थ्य नीति के तहत प्रारंभिक पहचान, उपचार, और स्वच्छता उपाय महत्वपूर्ण हैं।

Result Mitra

❖ प्रश्नः गुइलेन-बैरे सिंड्रोम (GBS) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह एक ऑटोइम्यून डिसऑर्डर है, जिसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली तंत्रिका तंत्र पर हमला करती है।
2. यह मुख्य रूप से बैक्टीरियल संक्रमण के कारण होता है और वायरस से कोई संबंध नहीं है।
3. इसके लक्षणों में कमजोरी, झुनझुनी (Tingling), और पैरालिसिस शामिल हो सकते हैं।उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(A) केवल 1 और 3

(B) केवल 2 और 3

(C) केवल 1 और 2

(D) 1, 2 और 3

Result Mitra
प्रयागराज महाकुंभ 2025 – इंटरनेशनल बर्ड फेस्टिवल
(16-18 फरवरी)

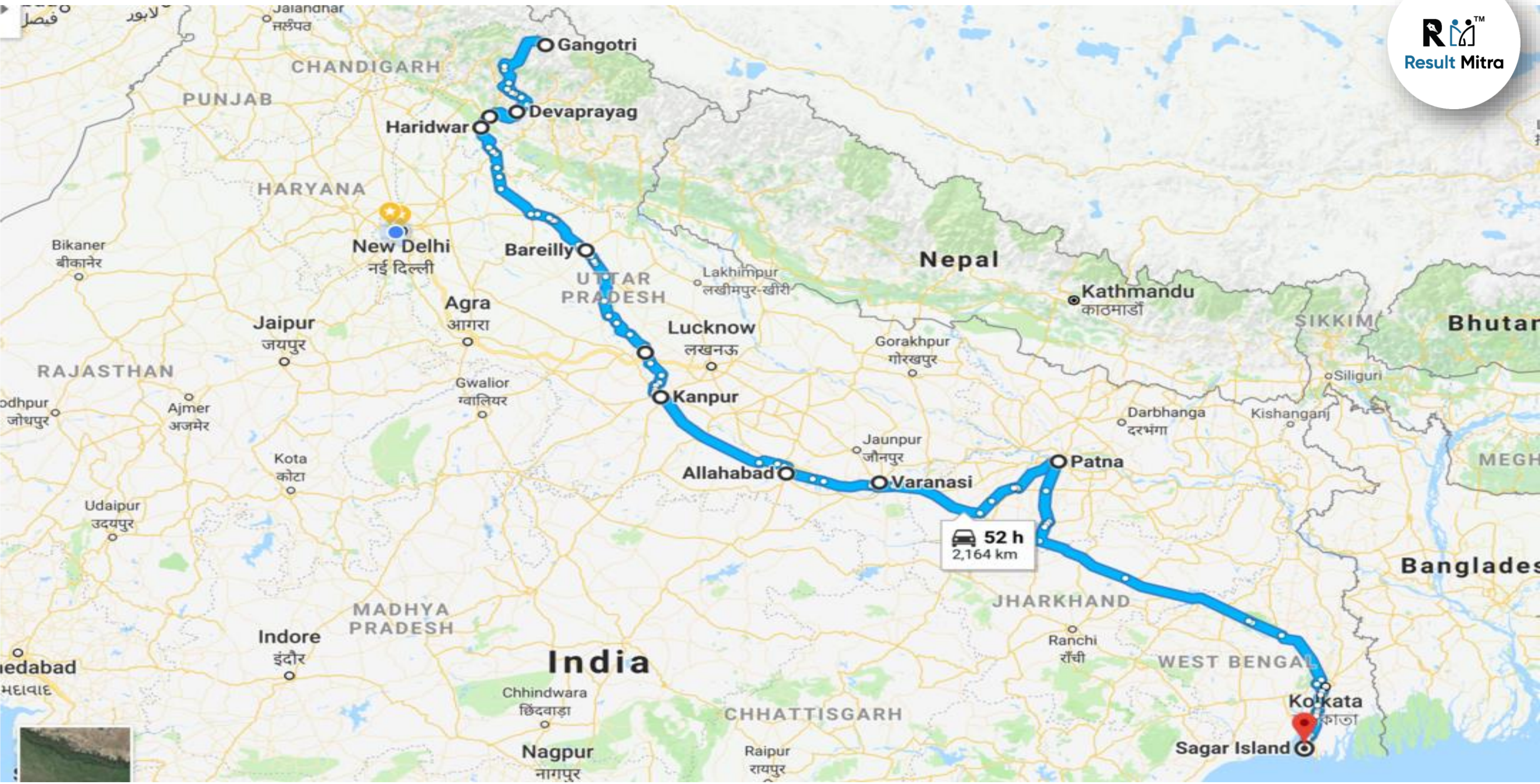
Gangotri
Devaprayag
Haridwar
CHANDIGARH
PUNJAB
HARYANA
New Delhi
नई दिल्ली
Bareilly
UTTAR PRADESH
Lakhimpur
लखीमपुर-खीरी
Nepal
Kathmandu
काठमांडौं
SIKKIM
Bhutan
Bikaner
बीकानेर
Agra
आगरा
Jaipur
जयपुर
Lucknow
लखनऊ
Gorakhpur
गोरखपुर
Siliguri
RAJASTHAN
Gwalior
ग्वालियर
Ajmer
अजमेर
Kanpur
Darbhanga
दरभंगा
Kishanganj
Jaunpur
जौनपुर
Patna
Kota
कोटा
Allahabad
Varanasi
Udaipur
उदयपुर
52 h
2,164 km
Bangladesh
JHARKHAND
MADHYA PRADESH
Indore
इंदौर
India
Ranchi
रांची
WEST BENGAL
Kolkata
Chhindwara
छिंदवाड़ा
CHHATTISGARH
Nagpur
नागपुर
Raipur
रायपुर
Sagar Island

यमुनोत्री हिमनद
YAMU
Sutlej
Yamuna
New Delhi
Agra
यमुना
Ganges
गंगा
Ghaghar
Bhind
चम्बल
Chambal
Gwalior
Yamuna
बेतवा
सिंध
Sindh
Banas
Betwa
प्रयागराज
Allahabad
Banda
Jhansi
Kota
Kali Sindh
केन
Ken
Chittorgarh
Guna
Parb

❖ मुख्य विशेषताएँ:

1. तिथि और स्थान – 16 से 18 फरवरी 2025, प्रयागराज महाकुंभ
2. उद्देश्य – पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता को बढ़ावा देना
3. प्रमुख आकर्षण – 200+ प्रजातियों के प्रवासी और स्थानीय पक्षियों का संगम

❖ आयोजक: वन विभाग, प्रयागराज

❖ कार्यक्रम की प्रमुख बातें:

❖ पक्षी अवलोकन – इंडियन स्कीमर, फ्लेमिंगो, साइबेरियन क्रेन जैसी दुर्लभ प्रजातियाँ

❖ प्रतियोगिताएँ – फोटोग्राफी, पेंटिंग, नारा लेखन, वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी

- **तकनीकी सत्र** – राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय पक्षी वैज्ञानिक, पर्यावरणविद् और विशेषज्ञों के विचार

- **पैनल चर्चा** – जैव विविधता संरक्षण और पर्यावरण संतुलन पर संवाद

- **पुरस्कार राशि** – 10,000 से 5 लाख रुपये तक, कुल 21 लाख रुपये

- **महत्व और प्रभाव:**

- युवाओं और पर्यावरण प्रेमियों को प्रेरित करना
- प्राकृतिक आवास संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना
- पर्यटकों को जैव विविधता की महत्ता समझाना
- प्राकृतिक आपदा प्रबंधन और पारिस्थितिकी संतुलन को बढ़ावा देना

❖ महाकुंभ 2025: इंटरनेशनल बर्ड फेस्टिवल एवं इको-टूरिज्म

Result Mitra

1. इको-टूरिज्म योजना

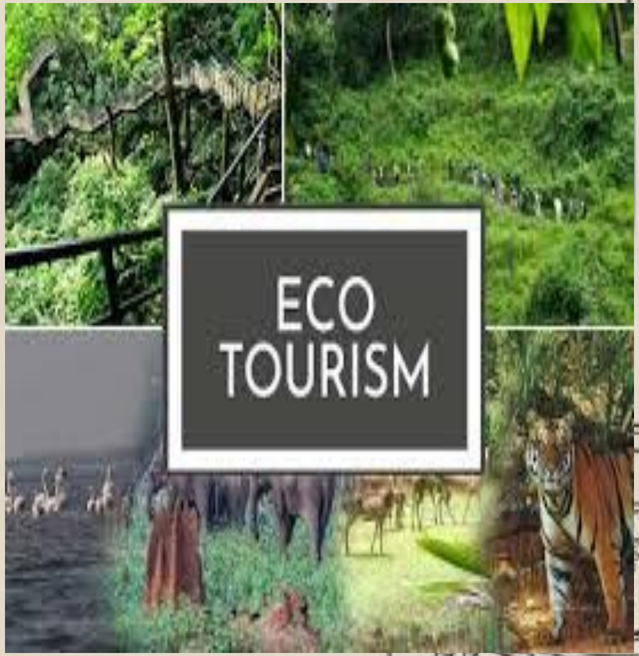

- ❖ श्रद्धालुओं के लिए विशेष इको-टूरिज्म प्लान तैयार।
- ❖ बर्ड वॉक और नेचर वॉक के माध्यम से पक्षियों का अवलोकन।
- ❖ विशेषज्ञों के साथ पक्षी व्यवहार, प्रवास यात्राओं और पारिस्थितिकी को समझने का अवसर।

2. संवेदनशीलता एवं जागरूकता अभियान

- ❖ सांस्कृतिक कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक और चित्रकला प्रदर्शनियां।
- ❖ पर्यावरण संरक्षण और पक्षी संरक्षण को लेकर जागरूकता अभियान।
- ❖ भविष्य की पीढ़ियों को प्राकृतिक संसाधन संरक्षण के लिए प्रेरित करना।

3. इंटरनेशनल बर्ड फेस्टिवल

- शोधकर्ता, वैज्ञानिक, पक्षी प्रेमी और छात्र इसमें भाग लेंगे।
- पक्षी विज्ञान और संरक्षण से जुड़ी नई जानकारियां साझा होंगी।
- पक्षियों के आवास, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव और संरक्षण पर सत्र आयोजित।

4. वैश्विक जैव विविधता और पर्यावरणीय स्थिरता

- यह महोत्सव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जैव विविधता के संरक्षण का संदेश देगा।
- छात्रों की भागीदारी उन्हें प्रकृति से जोड़ने और जिम्मेदारी समझने का अवसर देगी।

Result Mitra

5. संस्कृति, आस्था और प्रकृति का संगम

- ❖ महाकुंभ 2025 में भारतीय संस्कृति, प्रकृति प्रेम और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का समावेश।
- ❖ श्रद्धालुओं को आध्यात्मिकता के साथ-साथ पर्यावरणीय संतुलन का अनुभव।

6. सरकार की भूमिका एवं भविष्य की दिशा

- ❖ सरकार द्वारा पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के लिए विशेष योजनाएं।
- ❖ महाकुंभ 2025 केवल धार्मिक आयोजन ही नहीं, बल्कि पर्यावरणीय संवेदनशीलता की प्रेरणा भी बनेगा।

❖ प्रश्नः इंटरनेशनल बर्ड फेस्टिवल के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. इसका आयोजन भारत में पहली बार 2015 में किया गया था।

2. यह मुख्य रूप से माइग्रेटरी (प्रवासी) पक्षियों के संरक्षण और बर्ड वॉचिंग को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया जाता है।

3. इसका आयोजन हर साल केवल उत्तर प्रदेश के दुधवा राष्ट्रीय उद्यान में किया जाता है।उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(A) केवल 1 और 2

(B) केवल 2 और 3

(C) केवल 2

(D) 1, 2 और 3

गार्ड ऑफ चेंज समारोह – राष्ट्रपति भवन

- राष्ट्रपति भवन में आयोजित "चेंज ऑफ गार्ड" (Change of Guard) समारोह एक भव्य और पारंपरिक सैन्य आयोजन है, जो हर सप्ताह होता है।

- इस समारोह में नए गार्ड सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालते हैं और पुराने गार्ड उन्हें कार्यभार सौंपते हैं।

- यह भारतीय सशस्त्र बलों के अनुशासन, परंपरा और भव्यता को दर्शाने वाला एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है।

- **समारोह का विवरण**

- **स्थान:** राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली
- **समय:** प्रत्येक शनिवार और रविवार (समय मौसम के अनुसार बदल सकता है)
- **समारोह की अवधि:** लगभग 30 मिनट

❖ भाग लेने वाली इकाइयाँ:

❖ भारतीय सेना (President’s Bodyguard - PBG)
❖ भारतीय वायु सेना या नौसेना की टुकड़ियाँ
❖ सैन्य बैंड

❖ समारोह की प्रमुख विशेषताएँ

1. गार्ड की परेड: नए और पुराने गार्ड औपचारिक परेड में भाग लेते हैं।

2. राष्ट्रगान: राष्ट्रगान की धुन के साथ झंडे को सलामी दी जाती है।

3. शस्त्र परिवर्तन: पुरानी टुकड़ी अपनी सुरक्षा जिम्मेदारी नए गार्ड को सौंपती है।

4. **घुड़सवार परेड:** राष्ट्रपति के बॉडीगार्ड्स (PBG) घुड़सवार दस्ते के साथ परेड करते हैं।

❖ **महत्व**

❖ यह कार्यक्रम राष्ट्रपति भवन की सुरक्षा व्यवस्था का एक प्रतीकात्मक रूप है।

❖ भारतीय सेना की अनुशासन, परंपरा और समर्पण को प्रदर्शित करता है।

❖ नागरिकों को भारतीय सैन्य परंपराओं को नज़दीक से देखने का अवसर मिलता है।

Result Mitra
पुस्तक ‘I AM?’ के विमोचन
का मुख्य सार

Result Mitra

1. विमोचन समारोह:

❖ उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मुंबई में पुस्तक ‘I AM?’ का विमोचन किया।

❖ समारोह में राजनयिक, राजनीतिक और व्यापार जगत के प्रतिष्ठित लोग शामिल हुए।

2. पुस्तक और लेखक:

❖ पुस्तक गोपीचंद पी. हिंदुजा द्वारा संकलित है।

❖ विचारशील और विचारोत्तेजक विषयों पर केंद्रित है।

3. उपराष्ट्रपति का वक्तव्य:

- ❖ अपने चार दशक के सार्वजनिक जीवन में ऐसा अवसर पहले नहीं आया।
- ❖ भारत को वैश्विक आध्यात्मिक केंद्र बताते हुए विमोचन को ऐतिहासिक बताया।
- ❖ पुस्तक का शीर्षक ‘I AM?’ गहरे विचार का विषय है।
- ❖ ब्रिटेन के सम्राट चार्ल्स तृतीय ने इस पुस्तक के विचारों को मान्यता दी।

4. भारत की भूमिका:

- ❖ भारत को सनातन संस्कृति का केंद्र बताया।
- ❖ पुस्तक के विमोचन को भारतीय सभ्यता से जोड़ा।

Result Mitra

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल रिपोर्ट 2024:
भारत में स्वर्ण निवेश में 60% वृद्धि
Result Mitra
999.9
FINE
GOLD
NET WT
200g

- **वैश्विक स्वर्ण निवेश और मांग**
- **भारत का स्वर्ण निवेश:** 2024 में 60% बढ़कर 1.5 लाख करोड़ रुपये हुआ।
- **वैश्विक स्वर्ण मांग:** 2023 की तुलना में 25% वृद्धि।
- **निवेश मांग:** 29% बढ़ी।
- **वैश्विक आपूर्ति:** खदान उत्पादन और पुनर्चक्रण से 1% वृद्धि।
- **भविष्य की संभावनाएं (2025):** सेंट्रल बैंक और गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स से मांग बढ़ने की संभावना।

❖ भारत में स्वर्ण निवेश का परिदृश्य

❖ **RBI का स्वर्ण भंडार:** 73 टन सोना जोड़कर विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी 11% तक पहुंची।

❖ बढ़ी हुई मांग के प्रमुख कारण:

1. **संपन्नता और सामाजिक प्रतिष्ठा:** सोना भारतीय परंपराओं और अनुष्ठानों का अभिन्न अंग।

2. **निवेश और सुरक्षा:** विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में इसे संपत्ति सुरक्षित रखने का जरिया माना जाता है।

3. **विवाह खरीदारी:** भारत में कुल स्वर्ण मांग का 50% शादी से जुड़ी खरीदारी से आता है।

Result Mitra

- **स्वर्ण संसाधन की स्थिति**
- **भारत में स्वर्ण संसाधन (2022, खान मंत्रालय के अनुसार)**
- **बिहार: 44% (सबसे बड़ा स्वर्ण अयस्क भंडार)।**
- **राजस्थान: 25%**
- **कर्नाटक: 21%**
- **पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश: 3% प्रत्येक।**
- **झारखंड: 2%**

❖ वैश्विक स्वर्ण भंडार के प्रमुख धारक

- ❖ संयुक्त राज्य अमेरिका
- ❖ जर्मनी
- ❖ इटली
- ❖ फ्रांस
- ❖ चीन
- ❖ स्विट्जरलैंड
- ❖ भारत
- ❖ जापान

❖ शीर्ष स्वर्ण निर्यातक (वर्ल्ड इंटीग्रेटेड ट्रेड सॉल्यूशन, 2023)

- ❖ जर्मनी
- ❖ यूरोपीय संघ
- ❖ स्विट्जरलैंड
- ❖ संयुक्त राज्य अमेरिका
- ❖ जापान

❖ वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल (WGC)

❖ **स्थापना:** 1987 में विश्व की प्रमुख स्वर्ण खनन कंपनियों द्वारा।

❖ **उद्देश्य:**

❖ स्वर्ण को एक रणनीतिक परिसंपत्ति के रूप में बढ़ावा देना।

❖ जिम्मेदार, पारदर्शी और सुलभ स्वर्ण आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करना।

❖ **सदस्यता:**

❖ 32 प्रमुख स्वर्ण खनन कंपनियां सदस्य।

❖ 45+ देशों में संचालन।

❖ **मुख्यालय:** लंदन, यू.के.

❖ प्रश्न 1: गोल्ड (सोना) से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. गोल्ड का उपयोग केवल आभूषण बनाने के लिए ही नहीं, बल्कि मुद्रा और वित्तीय लेन-देन में भी किया जाता है।

2. भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) भारत सरकार के पास गोल्ड भंडार का प्रबंधन करता है।

3. मुद्रास्फीति (Inflation) के दौरान गोल्ड की कीमत आमतौर पर गिरती है।सही उत्तर का चयन करें:

(A) केवल 1 और 2

(B) केवल 2 और 3

(C) केवल 1 और 3

(D) 1, 2 और 3

ई-नाम (राष्ट्रीय कृषि बाजार)
में 10 नए उत्पाद शामिल
Result Mitra

❖ **नए उत्पाद:** चने का आटा, सूखी तुलसी पत्तियां, ड्रैगन फ्रूट आदि।

❖ **कुल उत्पाद:** अब ई-नाम प्लेटफॉर्म पर 231 उत्पाद उपलब्ध।

❖ **लाभ:**

❖ किसान उत्पादक संगठनों (FPOs) को मूल्य-वर्धित उत्पादों (जैसे हींग, भुने चने का आटा) के विपणन में मदद।

❖ **ई-नाम (e-NAM) क्या है?**

❖ **परिचय:** अखिल भारतीय इलेक्ट्रॉनिक ट्रेडिंग पोर्टल, जो APMC मंडियों को जोड़कर राष्ट्रीय कृषि बाजार बनाता है।

❖ **शुरुआत:** 2016 में लॉन्च।

❖ **कार्यान्वयन:** लघु कृषक कृषि व्यापार संघ (SFAC), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के तहत।

❖ **मकसद:** यह कोई समानांतर बाजार नहीं, बल्कि APMC मंडियों की मौजूदा संरचना का उपयोग करता है।

❖ **APMC और ई-नाम एकीकरण**

❖ **APMC (कृषि उपज बाजार समिति):** राज्य APMC अधिनियमों के तहत संचालित।

❖ **ई-नाम से जोड़ने के लिए आवश्यक सुधार:**

1. सिंगल ट्रेडिंग लाइसेंस (राज्यभर में मान्य)।
2. बाजार शुल्क का एकल बिंदु पर संग्रहण।
3. मूल्य निर्धारण के लिए ई-नीलामी/ई-ट्रेडिंग।

❖ ई-नाम (e-NAM) के लाभ

❖ **बाजार तक बेहतर पहुंच:** किसानों और व्यापारियों के बीच सूचना असंतुलन को कम करता है।

❖ **रियल-टाइम मूल्य खोज:** वास्तविक मांग और आपूर्ति के आधार पर मूल्य निर्धारण।

❖ **पारदर्शिता:**

❖ उपज की गुणवत्ता के आधार पर नीलामी प्रक्रिया।

❖ समय पर ऑनलाइन भुगतान और सुरक्षित लेन-देन।

❖ ई-नाम (e-NAM) – राष्ट्रीय कृषि बाजार

❖ परिचय:

❖ ई-नाम (e-NAM) एक अखिल भारतीय इलेक्ट्रॉनिक ट्रेडिंग पोर्टल है, जिसे 2016 में लॉन्च किया गया था। यह APMC (कृषि उपज बाजार समितियों) को आपस में जोड़ता है और कृषि उत्पादों के लिए एकीकृत राष्ट्रीय बाजार प्रदान करता है।

❖ ई-नाम के प्रमुख बिंदु (UPSC हेतु उपयोगी जानकारी)

1. उद्देश्य:

❖ किसानों को बेहतर मूल्य दिलाना और बिचौलियों की भूमिका कम करना।
❖ कृषि उत्पादों के लिए एक पारदर्शी और कुशल बाजार बनाना।
❖ डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देना।

2. कार्यप्रणाली:

- ❖ यह समानांतर बाजार नहीं है बल्कि APMC मंडियों की मौजूदा संरचना का उपयोग करता है।

- ❖ राज्य सरकारों को APMC अधिनियम में सुधार करने की आवश्यकता होती है, जिसमें तीन प्रमुख बिंदु शामिल हैं:

1. सिंगल ट्रेडिंग लाइसेंस (राज्यभर में मान्य)।

2. बाजार शुल्क का एकल बिंदु पर संग्रहण।

3. ई-नीलामी और ई-ट्रेडिंग के माध्यम से मूल्य निर्धारण।

Result Mitra

3. लाभ:

- **बाजार तक पहुंच:** किसानों और व्यापारियों के बीच सूचना असंतुलन को दूर करता है।
- **रियल-टाइम मूल्य खोज:** मांग और आपूर्ति के आधार पर उचित मूल्य तय करने में मदद करता है।
- **पारदर्शिता:** ऑनलाइन नीलामी और भुगतान प्रणाली से किसानों को बेहतर दाम मिलते हैं।

❖ प्रश्न 1: "e-NAM" (राष्ट्रीय कृषि बाजार) से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. e-NAM का उद्देश्य किसानों को कृषि उत्पादों की बिक्री के लिए एक एकीकृत ऑनलाइन मंच प्रदान करना है।

2. e-NAM केवल छोटे किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए लागू किया गया है, जबकि बड़े किसानों को इसके दायरे से बाहर रखा गया है।

3. e-NAM प्लेटफार्म पर किसान अपने उत्पादों का मूल्य उत्पादन स्थान पर निर्धारित कर सकते हैं।

सही उत्तर का चयन करें:

(A) केवल 1 और 2

(B) केवल 1 और 3

(C) केवल 2 और 3

(D) 1, 2 और 3

THANK YOU

Result Mitra

@resultmitra / 8650457000

@resultmitra

@resultmitra

Result Mitra

LIKE & SHARE

PDF

+ SUBSCRIBE